Name:-Pranali Shivale

बिहार की राजनीति की मौजूदा स्थिति (7 फरवरी, 2024 तक)

:



1. सत्ताधारी गठबंधन:नीतीश कुमार का गठबंधन बदलने का निर्णय भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। उनका यह कदम उनके राजनीतिक करियर में पांचवां बड़ा बदलाव माना जाता है, जिसे "पांचवां यू-टर्न" कहा जाता है। नीतीश कुमार ने अपनी पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) को महागठबंधन से निकालकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल कराया है। इस गठबंधन परिवर्तन को विभिन्न राजनीतिक दलों और आम जनता से मिली-जुली प्रतिक्रियाएँ मिली हैं।
2. रणनीतिक कदम के रूप में देखना: सत्ता में मजबूती: नीतीश कुमार के इस फैसले को कुछ लोग सत्ता में उनकी मजबूती के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में देखते हैं। एनडीए में शामिल होकर, वे केंद्रीय सत्ता के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर सकते हैं, जो बिहार के विकास और गवर्नेंस के लिए लाभदायक हो सकता है।
3. राजनीतिक स्थिरता: इस कदम को बिहार में राजनीतिक स्थिरता लाने के प्रयास के रूप में भी देखा जा सकता है, जिससे राज्य में लंबी अवधि के विकास परियोजनाओं पर कार्य करना सुगम हो।
4. राजनीतिक विश्वासघात: विपक्षी दलों और आलोचकों ने नीतीश कुमार पर राजनीतिक अवसरवादिता का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि व अपने निजी और पार्टी के लाभ के लिए महागठबंधन का साथ छोड़ रहे हैं।
5. मतदाताओं की उम्मीदों से खिलवाड़: कुछ लोगों का मानना है कि नीतीश कुमार का यह कदम मतदाताओं के विश्वास और उम्मीदों के साथ खिलवाड़ है, जिन्होंने महागठबंधन को वोट दिया था।
6. विपक्ष:तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और अन्य छोटे दलों का गठबंधन अब राज्य में प्रमुख विपक्ष है।राजद 2020 के विधानसभा चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी और खासकर युवा मतदाताओं के बीच उसे अच्छा समर्थन प्राप्त है।
7. बिहार की राजनीति में कुछ प्रमुख मुद्दों में शामिल हैं:आर्थिक विकास और रोजगार सृजन: दोनों ही गठबंधन बेरोजगारी को दूर करने का वादा करते हैं, जो बिहारियों के लिए एक प्रमुख चिंता है।शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा: शिक्षा की गुणवत्ता और स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार राज्य की अहम जरूरतें हैं।भ्रष्टाचार और शासन: भ्रष्टाचार को दूर करना और शासन में सुधार बिहार के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं।
8. आगामी घटनाक्रम:नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली नई एनडीए सरकार 12 फरवरी, 2024 को विधानसभा में विश्वास मत हासिल करने की कोशिश करेगी।2025 में होने वाले अगले विधानसभा चुनावों तक बिहार का राजनीतिक परिदृश्य तरल और गतिशील रहने की संभावना है।
9. अंततः, नीतीश कुमार का यह कदम उनकी राजनीतिक सूझ-बूझ और बिहार की राजनीति में उनके प्रभाव को दर्शाता है। यह घटना भविष्य में बिहार की राजनीतिक दिशा और गठबंधन राजनीति के परिप्रेक्ष्य को प्रभावित कर सकती है।